दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:सितम्बर-2023

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:सितम्बर-2023

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

September-2023

कार्यक्रम विवरण-

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1	04.09.2023 सोमवार	राजनीति विज्ञान विभाग	ओरिएटेंशन	1
2	04.09.2023 सोमवार	प्राचीन इतिहास विभाग	विभागीय संगोष्ठी	2
3	05.09.2023 मंगलवार	बी.एड. विभाग	शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम	3
4	05.09.2023 मंगलवार	वाणिज्य विभाग	शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम	3
5	05.09.2023 मंगलवार	महाविद्यालय	शिक्षक सम्मान समारोह	4
6	08.09.2023 शुक्रवार	बी.एड. विभाग	अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस	5
7	08.09.2023 शुक्रवार	एन.सी.सी.	शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन	5–6
8	11.09.2023 सोमवार	वाणिज्य विभाग	इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन	6
9	11.09.2023 सोमवार	राजनीति विज्ञान विभाग	लेखन कौशल पर विषय पर कार्यशाला	7–8
10	11.09.2023 सोमवार	बी.एड. विभाग	संगोष्ठी का आयोजन	8
11	12.09.2023 मंगलवार	वाणिज्य विभाग	इंड्रस्ट्रियल ट्रेनिंग का आयोजन	9
12	12.09.2023 मंगलवार	कम्प्यूटर विज्ञान विभाग	न्वागत कुलपति का स्वागत	10
13	13.09.2023 बुधवार	शिक्षाशास्त्र विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	10–11
14	14.09.2023 वृहस्पतिवार	बी.एड. विभाग	हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन	11–12
15	14.09.2023 वृहस्पतिवार	हिन्दी विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	12–13
16	14.09.2023 वृहस्पतिवार	प्राणि विज्ञान विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	13

September-2023

17	15.09.2023 शुक्रवार	बी.सी.ए. एवं गणित विभाग	इन्जिनियर्स डे पर कार्यक्रम	14
18	16.09.2023 शनिवार	भूगोल विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	15
19	21.09.2023 वृहस्पतिवार	प्राणि विज्ञान विभाग	अतिथि व्याख्यान	16
20	21.09.2023 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	ग्राहक जागरूता रैली	17
21	23.09.2023 शनिवार	समाजशास्त्र विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	18
22	26.09.2023 मंगलवार	राजनीति विज्ञान विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	19
23	26.09.2023 मंगलवार	वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल	कैरियर काउंसिलिंग	21
24	26.09.2023 मंगलवार	प्राचीन इतिहास विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	20
25	29.09.2023 शुक्रवार	राजनीति विज्ञान एवं रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	22
26	29.09.2023 शुक्रवार	एन.सी.सी.	स्वच्छता कार्यक्रम	23

Septmber-2023

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा ओरिएंटेशन कार्यक्रम

दिनांक 04.09.2023 महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने सर्वप्रथम भारतीय प्राचीन शिक्षा पद्धति पर प्रकाश डाला। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बहुआयामी दृष्टिकोण से विद्यार्थियों का परिचय कराते हुए बताया कि किस तरह से यह शिक्षा नीति भारत को विश्वगुरु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री इंद्रेश पाण्डेय ने एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी विद्यार्थियों का परिचय प्राप्त करने के उपरांत सभी विभागीय प्राध्यापकों का विद्यार्थियों से परिचय कराया। विद्यार्थियों को सी.बी.सी.एस. प्रणाली, सेमेस्टर प्रणाली, क्रेडिट सिस्टम के अंतर्गत पाठ्यक्रम अध्ययन करने की रणनीति से अवगत कराया, साथ ही बेहतर अंक प्राप्त करने के लिए मिड टर्म, एण्ड टर्म परीक्षा व प्रोजेक्ट, असाइनमेंट की तैयारी पर विद्यार्थियों से संवाद किया।

इतिहास एवं संस्कृति से सन्दर्भित विषयों पर छात्र संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 04.09.2023 को महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग में इतिहास एवं संस्कृति से सन्दर्भित विषयों पर छात्र–संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस छात्र–संगोष्ठी में एम.ए प्रथम एवं द्वितीय वर्ष तथा बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की एवं अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह थे। उपस्थित छात्रों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करते उन्होने हुए कहा कि इतिहास बोध से ही सांस्कृतिक विकास की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि वही छात्र–छात्राएं अपने लक्ष्य को साध सकते हैं जिनमें अपने लक्ष्य के प्रति जुनून एवं अथक प्रयास करने की क्षमता विद्यमान होती है क्योंकि महत्वाकांक्षा का मोती निष्ठुरता की सीपी में ही पलता है।

संगोष्ठी में प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के प्रभारी प्रो. (डॉ.) धीरेन्द्र सिंह ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि इतिहास के किसी कालखण्ड को हम तभी सही से समझ सकते हैं जब हम साहित्यिक स्रोत्रों के साथ–साथ पुरातात्त्विक स्रोतों का सम्यक अध्ययन करें।

September

बी.एड.विभाग द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन

दिनांक 05.09.2023 को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती पर महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती और सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण करने से हुई। तत्पश्चात सभी प्रशिक्षुओं ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने–अपने विचार प्रकट कियें। कार्यक्रम में विभाग के सभी प्राध्यापकगण एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

वाणिज्य विभाग द्वारा शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 05.09.2023 को महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में कहा कि शिक्षक चाहे तो इस समाज को एक सुंदर उद्यान बना सकता है और यदि वह अपनी नकारात्मकता पर उतर आए तो उसे भयावह शमशान में तब्दील कर सकता है।

September-2023

शिक्षक सम्मान समारोह

दिनांक 05.09.2023 को महाविद्यालय में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त बी.एड. विभाग की प्राध्यापक प्रो. गीता सिंह को अंगवस्त्र तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया एवं साथ ही नवनियुक्त शिक्षकों का स्वागत भी किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने नवागत शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ज्ञान की धरती है, जहाँ दिव्य ज्ञान के अनुसंधान में पीढ़ी दर पीढ़ी हम लगे रहते हैं। दुनिया की सभी क्रान्तियों के पीछे किसी न किसी शिक्षक की भूमिका अवश्य रही है। कार्यक्रम का सकुशल **संचालन डॉ. सुभाष चन्द्र ने तथा आभार ज्ञापन प्रो. शुभ्रा श्रीवास्तव** ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

शिक्षक-शिक्षा विभाग में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन

दिनांक 08.09.2023 को महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षा विभाग में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए साक्षरता के महत्व को बताते हुए कहा कि साक्षरता व्यक्तियों के विकास के लिए मंच प्रदान करती है।

एन.सी.सी. में नामांकन हेतु शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन

दिनांक 08.09.2023 को महाविद्यालय के विद्यार्थियों का एन.सी.सी. (नेशनल कैडेट कोर) के प्रथम एवं तृतीय वर्ष (बी एवं सी प्रमाण पत्र) में नामांकन हेतु शारीरिक दक्षता परीक्षा, सत्रः 2023–24 का आयोजन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मैदान में सम्पन्न हुआ।

नामांकन के लिए कुल 109 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था, जिसमे से 93 विद्यार्थी शारीरिक परीक्षा हेतु योग्य पाए गए। योग्य विद्यार्थियों में से अन्तिम

रूप से 47 विद्यार्थियों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफलता प्राप्त की। सफल हुए विद्यार्थियों में से प्रथम वर्ष हेतु एसडी कैडेट, एसडब्लू कैडेट तथा तृतीय वर्ष हेतु एसडी कैडेट एवं एसडब्लू कैडेट का चयन किया गया। कैडेट्स का चयन उनके विभिन्न प्रमाण पत्रों, कद/लम्बाई, दौड़, सीट अप, पुश अप आदि तथा उनके अकादमिक मेरिट के आधार पर किया गया। भर्ती के दौरान एनसीसी 44 उ.प्र. बटालियन के कमान अधिकारी सतीश कंवर ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए उनको शुभकामनाएं भी दी। सूबेदार मेजर काशी राज ने विद्यार्थियों को एनसीसी के उद्देश्य तथा उसके नियम–कानून से परीचित कराया।

नवप्रवेशित छात्र/छात्राओं के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन

दिनांक 11.09.2023 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के द्वारा बी.कॉम. एवं एम.कॉम. प्रथम वर्ष के छात्र/छात्राओं के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय से संबंधित शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

श्री दीपक साहनी के द्वारा नई शिक्षा नीति के सी.बी.सी.एस. प्रणाली पर जानकारी प्रदान करते हुए बी.कॉम. प्रथम वर्ष एवं एम. कॉम. प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा की जानकारी दी गई। डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी ने महाविद्यालय द्वारा बनाई गई विभिन्न समितियां एवं सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने डॉ. अभय मालवीय द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्य तथा व्यवहारिक उपयोग की जानकारी दी और निष्कर्ष रूप में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का मूल उद्देश्य छात्र–छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना है। डॉ. चंडी प्रसाद पांडे ने अनुशासन के संबंध में जानकारी दी तथा विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह ने स्वागत करते हुए विद्यार्थी जीवन के दायित्व से अवगत कराया।

लेखन कौशल पर कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 11.09.2023 को महाविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर एवं एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए लेखन कौशल पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयोजित कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने अपने सम्बोधन में बदलती विश्वविद्यालय परीक्षा प्रणाली में उत्तर लेखन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने लेखन कौशल के बारीकियों के विविध आयामों पर विद्यार्थियों से संवाद किया। साथ ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महाविद्यालय के सकारात्मक प्रयास से भी अवगत कराया। विद्यार्थियों के शैक्षिक उन्नयन एवं व्यक्तित्व निर्माण में महाविद्यालय निरन्तर आधुनिक तकनीकों व नवाचार का प्रयोग कर रहा है। विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए महाविद्यालय प्रतिवद्ध है।

राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री इंद्रेश पाण्डेय ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को सी.बी.सी.एस. प्रणाली व सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत विश्वविद्यालय परीक्षा के नए स्वरूप से परिचय कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर अंक प्राप्त करने के लिए मिड टर्म, ईन्ड टर्म परीक्षा व प्रोजेक्ट, असाइनमेंट का प्रभावशाली लेखन के लिए उसके तकनीकी पक्ष पर चर्चा की। **कार्यशाला में विभाग के प्राध्यापक डॉ.**

शैलेश कुमार सिंह, डॉ. अखिल श्रीवास्तव, डॉ. प्रियंका सिंह, श्री वर्धन त्रिपाठी, और एम.ए. प्रथम सेमेस्टर व बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शान्ति एवं मानवता के संस्कृति का विकास विषय पर सेमिनार का आयोजन

दिनांक 11.09.2023 को महाविद्यालय के शिक्षक प्रशिक्षण विभाग (बी.एड. विभाग) में यूथ पीस फॉन्डेशन, नई दिल्ली के तत्वावधान में शान्ति एवम मानवता के संस्कृति का विकास विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार में विश्व शांतिदूत श्री प्रेम रावत जी के शांति के संदेश का शांत और सफल इवेंट ऑडियो–वीडियो माध्यम से संपन्न हुआ। सेमिनार में जीवन में वैश्विक स्तर पर शान्ति स्थापित करने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा की गई तथा एनिमेशन फिल्म, स्टोरी आदि के माध्यम से शान्ति प्राप्त करने हेतु विद्यार्थियों को अभिप्रेरित किया गया। सेमिनार कार्यक्रम के सफल आयोजन में वाईपीएफ एन.जी.ओ. टीम, गोरखपुर के 6 उत्साहित स्वयं सेवकों ने अपना योगदान दिया। बी.एड. विभाग के पुरातन छात्र सूरज कुमार कन्नौजिया का कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय भूमिका रही। विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुभाष चन्द्र ने कहा कि शान्ति हमारे अन्दर हमारे अपने हृदय में ही स्थित है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु एन.जी.ओ. की पूरी टीम तथा उपस्थित प्राध्यापकगण और विद्यार्थियों का आभार ज्ञापन किया।

कार्यक्रम में विभाग के प्रभारी प्रो.अरुण कुमार तिवारी, प्रो. शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ. सुभाष चंद्र, श्रीमती सुषमा राय, श्रीमती शालिनी पारीक, एवम चतुर्थ सेमेस्टर तथा तृतीय सेमेस्टर के समस्त प्रशिक्षु उपलब्ध रहे।

वाणिज्य विभाग द्वारा इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग का आयोजन

दिनांक 12.09.2023 को महाविद्यालय के बी.कॉम. तृतीय वर्ष के छात्र/छात्राओं को सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अंतर्गत निर्धारित मेजर इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के बारे मे विधुन लर्निंफाई प्राइवेट लिमिटेड के सी.इ.ओ. श्री विपुल त्रिपाठी ने रिज्यूम बनाना, ऑटोमेटिक ट्रैकिंग प्रणाली, डिजिटल मार्केटिंग प्लेटफार्म, मानव संसाधन प्रणाली, संचार कौशल, बिजनेस डेवलपमेंट, बिजनेस से बिजनेस (बी2बी) और बिजनेस से उपभोक्ता (बी2सी) आदि के बारे में अपना मार्गदर्शन प्रदान किया और कहा कि साथ–साथ मेजर इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग करने के बाद कई विधाओं में कौशल वृद्धि करके अपने कैरियर का उन्नयन कर सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि आज के गलाकाट प्रतियोगिता के बाजार में रोजगार प्राप्त करना आसान नहीं है क्योंकि किसी कार्य को करने में सक्षम तो सभी है किन्तु उस कार्य को करने में जिसकी दक्षता होगी वही अपने को बाजार में बनाए रख सकेगा।

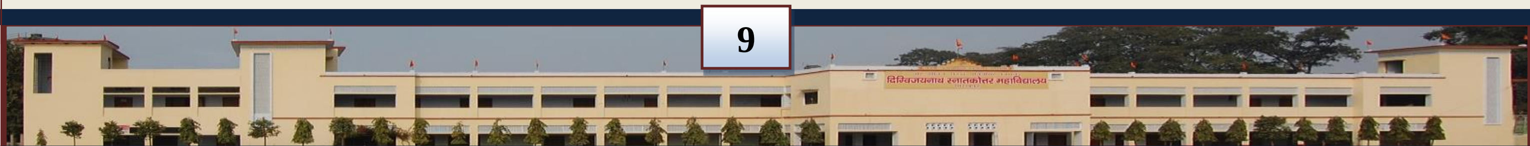

नवागत कुलपति का स्वागत

दिनांक 12.09.2023 को महाविद्यालय गोरखपुर के शिक्षक एवं अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत गोरखपुर के महानगर अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग ने दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर की नवागत कुलपति महोदया प्रो. पूनम टंडन जी का स्वागत करते हुए विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय हित में उनके द्वारा लिए गए सकारात्मक निर्णय हेतु बधाई दी।

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 13.09.2023 को महाविद्यालय, के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा परास्नातक विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विनय कुमार पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग स्वामी देवानंद पी.जी. कालेज, मठलार, देवरिया थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा सर्वांगीण विकास की प्रक्रिया है। शिक्षा व्यक्ति को स्व–जागरूक बनाती है जिससे वह अपनी सक्षमता एवं दुर्बलता को पहचानने में सक्षम होता है जिससे व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा की प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहती है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय शिक्षा

नीति 2020 में अनेक प्रावधान किए गए हैं जिसमें सी.बी.सी.एस प्रणाली प्रमुख है। यह प्रणाली विद्यार्थियों को उनकी रूचि एवं योग्यता के आधार पर विषय चयन का अवसर उपलब्ध कराती है। **कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिभुवन मिश्रा ने किया। इस अवसर पर विभाग के तृतीय सेमेस्टर की अपूर्वा दुबे, सौम्या सिंह तथा अतुल शर्मा ने अपने विगत वर्ष के अनुभव को साझा किया। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक श्री श्याम सिंह, डॉ. अखंड प्रताप सिंह, डॉ. रुक्मिणी चौधरी, डॉ. जागृति विश्वकर्मा एवं विभाग के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।**

बी.एड.विभाग द्वारा हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम

दिनांक 14.09.2023 को शिक्षक–शिक्षा विभाग में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया तथा इस अवसर पर हिन्दी के महत्ता को दर्शाया गया।

इस अवसर पर प्रशिक्षु संजीत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि वर्तमान में हिंदी भाषा पर पश्चिमीकरण का प्रभाव बढ़ता जा रहा है और हिंदी भाषा में अंग्रेजी का प्रभुत्व बढ़ रहा है। प्रशिक्षु दीपक कुमार ने कहा कि हिंदी भाषा का स्थान मां के समान है जिसका स्थान कोई नहीं ले सकता, वही हमारी पहचान है। प्रशिक्षु विवेक कुमार गोंड ने संस्कृत भाषा से हिंदी के विकास के क्रम पर प्रकाश डाला और प्रशिक्षु धर्मवीर ने हिंदी को राजभाषा बनाने में काका कालेलकर और सेठ गोविंददास के योगदान पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षु रोहित पाण्डेय ने बताया कि हिंदी को अगर राष्ट्र भाषा बनाना है तो सोचना पर्याप्त नहीं है इसके लिए कुछ प्रयत्न करना पड़ेगा। प्रशिक्षु शुभम पाठक ने कहा कि कैसे भारत में विविधताओं के बावजूद हिंदी भाषा भारतवासियों को एकता के सूत्र में बांधती है। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए विवेक द्विवेदी ने हिंदी के प्राचीन इतिहास के बारे में बताया। प्रक्षिशु मुकेश ने बताया कि हिंदी दिवस पर लोगो को उत्साहित करने

के लिए राष्ट्रभाषा गौरव पुरस्कार और राष्ट्रभाषा कीर्ति पुरस्कार लोगों को दिया जाता है। प्रशिक्षु अभिषेक ने कहा कि हिंदी हमारे गर्व की भाषा है। प्रशिक्षु कुशलपाल ने राष्ट्रभाषा प्रचार समिति और वर्धा समिति का हिंदी को राज्यभाषा बनाने में महत्वपूर्ण योगदान पर अपना विचार रखा। प्रशिक्षु नरेंद्र ने कहा कि हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ने वाले साहित्यकार व्यौहार राजेंद्र सिंह का 50 वां जन्म दिवस 14 सितम्बर 1949 को था, जिस दिन हिंदी को राष्ट्रभाषा स्वीकार किया किया गया।

कार्यक्रम का संचालन बी.एड. द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु शैलेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापकगण प्रो. अरुण कुमार तिवारी, प्रो. शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ. सुभाष चन्द्र, श्रीमती शालिनी पारिक, श्रीमती सुषमा राय एवं समस्त प्रशिक्षुगण उपस्थित रहे।

हिन्दी विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 14.09.2023 को महाविद्यालय के संयोजकत्व में हिन्दी दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. दिवाकर द्विवेदी, सहायक आचार्य, भवानी प्रसाद पाण्डेय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर थे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि किसी भी देश का साहित्य वहां की संस्कृति व परम्परा से जाना जाता है। जब कोई देश दूसरो के द्वारा शासित होता है तो वहा की बहुत सारी परम्पराएं व सभ्यता नष्ट होने लगती है, ऐसी स्थिति में इन्हें समय से संरक्षित रखना हमारा मूल दायित्व है। हिन्दी के उन्नयन में राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द एवं राजा लक्ष्मण सिंह का विशेष योगदान दिखाई पड़ता है। पाठ्यक्रम की पुस्तकें पहले हिन्दी में उपलब्ध न होकर दूसरी भाषाओं में थी, इसीलिए हिन्दी में उपन्यास व कहानी लेखन पर जोर दिया गया ताकि लोग अपनी भाषा में अपने साहित्य व समाज को समझ सकें। **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि**

हिन्दी हमारी राष्ट्रीय स्वाभिमान, पहचान एवं अस्मिता से जुड़ी है। दुनिया में चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिन्दी है। वास्तव में हिन्दी अभिव्यक्ति का एक माध्यम है। हिन्दी के अतिरिक्त किसी अन्य भाषा में ऐसी क्षमता नहीं है जो राष्ट्रीय सम्पर्क भाषा के रूप में स्थापित हो सके। **कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन डॉ. विभा सिंह, आभार ज्ञापन प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव, प्रभारी हिन्दी विभाग एवं संचालन डॉ. अदिति दूबे ने किया।**

प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 14.09.2023 को महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग की ओर से बी.एस.सी (बायो) प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के दृष्टिकोण से विद्यार्थियों का परिचय कराया। प्रो. परीक्षित सिंह, आई.क्यू.ए.सी, समन्वयक ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा की यदि विद्यार्थी नियमित रूप से महाविद्यालय में और घर पर पढ़ाई करें, उनको सफलता जरूर मिलेगी।

प्राणि विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ. अनिता कुमारी ने विभागीय परिचय, विभागीय मूल्यांकन, जूलॉँजिकल सोसाइटी व अन्य विभागीय कार्यक्रमों की जानकारी विद्यार्थियों को दी। श्री हिमांशु यादव ने विद्यार्थियों को प्राणि विज्ञान के पाठ्यक्रम की जानकारी व उपयोगिता से अवगत कराया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री अंकित पाण्डेय व श्री राजेन्द्र शर्मा ने अपना योगदान दिया।

इंजीनियर्स डे का आयोजन

दिनांक 15.09.2023 महाविद्यालय गोरखपुर के बीसीए एवं गणित विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इंजीनियर्स डे के सुअवसर पर भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य, डॉ अजेय कुमार तिवारी ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कहा की बिना इंजीनियरों के किसी भी देश का विकास व निर्माण असंभव है। हर साल भारत में 15 सितंबर का दिन इंजीनियर्स डे के रूप में मनाता है। आज राष्ट्र निर्माण में इंजीनियरों की तरफ से किए गए प्रयासों को सलाम करने का दिन है। यह दिन देश के महान इंजीनियर और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को समर्पित है।

विशिष्ट वक्ता डॉ सूरज शुक्ला, गणित विभाग ने कहा की मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को सबसे महान इंजीनियरों के रूप में जाना जाता है। उनके योगदान के कारण उन्हें वर्ष 1955 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया था। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुदित दुबे, सहायक आचार्य बीसीए विभाग ने किया, कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अरविंद तिवारी तथा आभार ज्ञापन डॉ. अनुराधा सिंह ने किया। इस अवसर पर कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ पवन कुमार पाण्डेय, शिक्षक गण सहित बीसीए एवं गणित विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस का आयोजन

दिनांक 16.09.2023 को महाविद्यालय गोरखपुर के भूगोल विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह थे। मुख्य वक्ता श्री जितेंद्र कुमार पाण्डेय सहायक आचार्य भूगोल विभाग रहे।

मुख्य वक्ता ने ओजोन परत के क्षरण एवं उसके बचाव के उपायों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ओजोन परत के बचाव हेतु किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयासों एवं समझौता पर चर्चा अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मानव को ओजोन परत के क्षरण से बचाव के लिए भौतिक सुख सुविधा वाले वस्तुओं का उपयोग कम करना होगा।

विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने इस अवसर पर अपने विचार रखें। इन्होंने कहा कि मानव का अस्तित्व प्रकृति के बिना संभव नहीं है। हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. कमलेश कुमार मौर्य तथा आभार ज्ञापन डॉ. अनिल भास्कर ने किया। इस अवसर पर भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉ. रविंद्रनाथ, डॉ. अनूप राय, डॉ. रविंद्र कुमार, डॉ. अनुपमा मिश्रा तथा डॉ. संजीत कुमार सिंह सहित स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

September-2023

इम्यून रिस्पांस एण्ड हाइब्रिडोमा टेक्नोलॉजी विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 21.09.2023 महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा ''इम्यून रिस्पांस एण्ड हाइब्रिडोमा टेक्नोलॉजी'' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. सतोष कुमार त्रिपाठी, सहायक आचार्य, प्रभारी प्राणि विज्ञान विभाग, महात्मा गॉधी पी.जी कॉलेज, गोरखपुर थे। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि कैसे प्रतिरोधक क्षमता विभिन्न बीमारियों से लड़ने में सहायक होती है।

इसके साथ ही प्राणि विज्ञान विभाग के जूलॉजिकल सोसाइटी' के द्वारा ''अन्तर्राष्ट्रीय अल्जाइमर दिवस'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया जिसकी वक्ता डॉ. अनिता कुमारी, प्रभारी प्राणि विज्ञान विभाग, दिग्विजय नाथ पी.जी. कालेज गोरखपुर थी। उन्होंने बताया कि अल्जाइमर स्मृति लोप की बीमारी है जिसका इलाज संभव नही है और इसके बचाव के लिए संतुलित जीवन शैली अपनानी चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने किया। आभार ज्ञापन प्रो. (डॉ.) परीक्षित सिंह, आई.क्यू.ए.सी समन्वयक ने किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अनिता कुमारी रही तथा संचालन श्री हिमाशु यादव ने किया।

ग्राहक जागरूकता रैली का आयोजन

दिनांक 21.09.2023 को महाविद्यालय एवं अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, महानगर गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ग्राहक जागरूकता रैली महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह एवं प्रान्त संगठन मंत्री डॉ. चंद्रभूषण तिवारी द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना की गई। यह रैली दिग्विजयनाथ पी.जी कॉलेज के कला संकाय परिसर से होते हुए एच.पी स्कूल, एम पी बालिका विद्यालय, सीतापुर अस्पताल रोड, विश्वविद्यालय चौराहा, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन, डीएम आवास होते हुए महाविद्यालय परिसर में समाप्त हुई। इस रैली में स्वयंसेवकों ने ग्राहक जागरूकता एवं पर्यावरण सुरक्षा से **संबंधित नारे लगाए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों को बधाई दिया। प्रान्त संगठन मंत्री डॉ. चंद्रभूषण तिवारी जी ने कहा कि** यह वर्ष अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का स्वर्ण जयंती वर्ष है जिसमें हम निरंतर ग्राहकों की जागरूकता पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक करते हुए अन्य सामाजिक विषय जैसे 'पर्यावरण सुरक्षा, रोजगार, उपभोक्ता संरक्षण, विधिक जागरूकता, महिला सशक्तिकरण' पर भी निरंतर कार्यक्रमो का आयोजन अपने संगठन के सहयोग से करते रहेंगे।

समाजशास्त्र विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 23.09.2023 को महाविद्यालय, के समाजशास्त्र विभाग द्वारा परास्नातक विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रो. अर्चना सिंह, प्रभारी, समाजशास्त्र विभाग ने कहा कि समाजशास्त्र एक ऐसा विषय है जो विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाजशास्त्र विषय उच्च शिक्षा के साथ ही प्रशासन एवं दूसरे अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र में भी अवसर उपलब्ध कराता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा की प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहती है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अनेक प्रावधान किए गए हैं जिसमें सी.बी.सी.एस सिस्टम प्रमुख है।

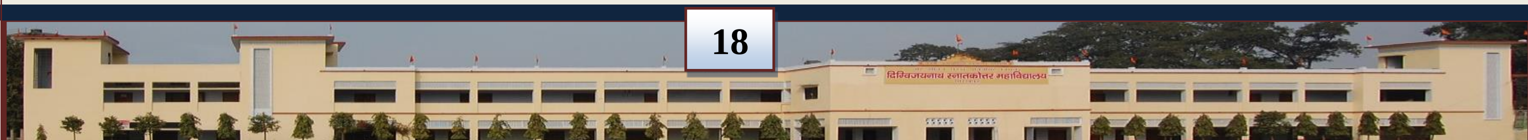

पं. दीनदयाल उपाध्याय का विचार दर्शन विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 25.09.2023 गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा पं दीनदयाल उपाध्याय के जयंती के अवसर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में **प्रो. गोपाल प्रसाद, आचार्य राजनीति विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने 'पं. दीनदयाल उपाध्याय का विचार दर्शन'** विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीनदयाल जी की दृष्टि में अन्त्योदय का आशय विकास की पंक्ति में खड़े सबसे अन्तिम व्यक्ति का उत्थान करना है। इसी संकल्प के साथ भारत सरकार कार्य कर रही है और 2014 से दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस पर अन्त्योदय दिवस के रूप में प्रत्येक वर्ष मना रही है। उन्होंने उनके एकात्म मानव दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दर्शन व्यक्ति में शरीर मन बुद्धि और आत्मा के संगठित रूप को देखता है, जो भारतीय संस्कृति के चार पुरूषार्थों धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष से सम्बन्धित है। पूंजीवादी और साम्यवादी विचारधाराएं केवल शरीर की भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति करती है जबकि एकात्मक मानववाद मानव की सम्पूर्ण मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय के अर्थायाम पर चर्चा करते हुए कहा कि मनुष्य को केन्द्र में रखकर स्वदेशी आर्थिक मॉडल को विकसित करने की जरूरत है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने अपने उद्बोधन में पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब दुनिया के लोग पूंजीवादी एवं साम्यवादी विचारधाराओं के अपनाने को विवश हो रहे थे। तब दीनदयाल उपाध्याय ने भारत के लिए एकात्म मानवाद दर्शन दिया, जिससे व्यष्टि और समष्टि दोनों का सकारात्मक विकास हो रहा है। उन्होंने ने दीनदयाल एकात्म मानववाद दर्शन को शंकराचार्य के वेदान्त दर्शन से जोड़ते हुए उसे व्यक्ति के समग्र विकास के लिए अनिवार्य बताया। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय के संकल्प व स्वप्न के अनुरूप वर्तमान सरकारों के नीति निर्माण एवं क्रियान्यवन की प्रशंसा की और कहा कि दीनदयाल जी की संगठनात्मक नेतृत्व व कुशलता के कारण भारतीय जनता पार्टी को वैचारिक आधार मिला है। आज उनकी विचारधाराओं से देश का समग्र विकास हो रहा है। **कार्यक्रम का संचालन एम.ए.तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. श्रेया चन्द ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. शैलेश कुमार सिंह किया एवं अतिथि परिचय विभाग के प्रभारी श्री इन्द्रेश पाण्डेय** ने किया।

September-2023

प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 26.09.2023 को महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग में अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. राजवन्त राव, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में इतिहास क्या है, इतिहास लेखन की विधा एवं उपयोगिता जैसे विषयों पर व्याख्यान दिया। उनके अनुसार इतिहास का शास्त्रीय एवं व्याकरणीय अर्थ 'ऐसा होता रहा हैं।' इतिहास लेखन विधा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि तथ्य एक होता है लेकिन दृष्टिकोणों में विभिन्नता के कारण इतिहासकारों के लेखन में भी भिन्नता दिखायी पड़ती है। उन्होंने इतिहास के उपयोगिता बताते हुए कहा कि विगत् मनुष्यों के कृतित्व एवं सृजनशीलता के धरातल पर हमारा वर्तमान निर्मित हुआ है और उनकी स्मृति ही इतिहास है क्योंकि जिस समाज की स्मृति खत्म हो जाती है उस समाज का विकास अवरूद्ध हो जाता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि इतिहास लेखन एवं अध्ययन का उद्देश्य सदैव अपने नागरिकों में आत्म गौरव जागाना है। इतिहास एवं राजनीति शास्त्र के अर्न्तसम्बन्ध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजनीति के बिना इतिहास फलहीन है और इतिहास के बिना राजनीति जड़हीन है। **विभाग के प्रभारी प्रो. धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि** इतिहास अतीत के ज्ञान का पुंज है जिसमें वर्तमान एवं भविष्य प्रकाशित होता है।

वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा कैरियर काउंसिलिंग

दिनांक 26.09.2023 को महाविद्यालय गोरखपुर के वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में बी.कॉम. तृतीय वर्ष एवं एम.कॉम. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु कैरियर काउंसलिंग एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के

मुख्य वक्ता डॉ. अविनाश श्रीवास्तव, बालाजी एकेडमी, गोरखपुर ने विद्यार्थियों को कैरियर काउंसलिंग विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि कैरियर काउंसलिंग की मदद से विद्यार्थी अपने अंदर के हुनर को पहचान पाते हैं जिससे उन्हें कैरियर का चयन करने में कोई परेशानी नहीं होती है। **डॉ. अविनाश जी ने रोजगार प्राप्त करने कि संभावनाओं पर बोलते हुए कहा कि आज के** प्रतियोगी परिवेश में अगर सफलता प्राप्त करना है तो तकनीकी शिक्षा का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है यही कारण हैं की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में तकनीकी शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। **कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्लेसमेंट सेल संयोजक डॉ. पवन कुमार पाण्डेय तथा संचालन श्री दीपक कुमार साहनी ने किया। आभार ज्ञापन एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह के द्वारा किया गया। उत्त कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी, डॉ. चंडी प्रसाद पांडे, डॉ. सुभाष गुप्ता सहित वाणिज्य संकाय के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।**

सर्जिकल स्ट्राइक दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 29.09.2023 को सर्जिकल स्ट्राइक दिवस के अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : राष्ट्रीय सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. विनोद कुमार सिंह, अध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए सर्जिकल स्ट्राइक को पाकिस्तान के नाभिकीय आतंक और भय को खत्म करने का प्रयास बताया, जो भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम को दर्शाता है। विभिन्न कालखण्डों में भारत की विदेश नीति राजनीतिक इच्छाशक्ति के अनुरूप बदलती रही है। **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने** अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भारतीय विदेश नीति के मूल सिद्धान्तों की चर्चा करते हुए उन्होंने भारत–पाकिस्तान सम्बन्धों व भारत–चीन सम्बन्धों के विविध पक्षो पर प्रकाश डाला। **कार्यक्रम का संचालन डॉ. राम प्रसाद यादव, प्रभारी, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा किया गया एवं स्वागत विभाग के शिक्षक डॉ शुभ्रांशु शेखर सिंह और आभार ज्ञापन श्री इंद्रेश कुमार पांडे, प्रभारी, राजनीति विज्ञान विभाग ने किया। इस अवसर पर श्री विकास कुमार पाठक, डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. रामकुमार, यादव, डॉ. अखिल कुमार श्रीवास्तव एवं छात्र–छात्राएं मौजूद थे।**

स्वच्छता ही सेवा (एस.एच.एस.) अभियान-2023 के तहत एन.सी.सी कैडेट्स ने स्वच्छता कार्यक्रम चलाकर 'कचरा मुक्त भारत' बनाने हेतु लोगों को किया जागरूक

दिनांक 29.09.2023 को 44 यूपी बटालियन एनसीसी, गोरखपुर के तत्वावधान में महाविद्यालय, की एन.सी.सी. प्लाटून/यूनिट के कैडेट्स ने स्वच्छता ही सेवा अभियान (एस.एच.एस.)–2023 के तहत नौका विहार, रामगढ़ ताल, गोरखपुर पर स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरू क किया। एन.सी.सी. कैडेट्स ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को 'कचरा मुक्त भारत' बनाने हेतु जागरूक किया। इस अभियान तथा स्वच्छता कार्यक्रम में लगभग 1000 से अधिक लोग प्रभावित हुए।

कार्यक्रम के अन्त में सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने स्वच्छता कार्यक्रम के सफल आयोजन में आवश्यक सहयोग प्रदान करने हेतु 44 यूपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल सतीश कंवर, एन.सी.सी. इंस्ट्रक्टर श्री सत्येन्द्र कुमार यादव, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों, 44 यूपी बटालियन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा एनसीसी के कैडेट्स को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।